ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.

नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-05-2024

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-29	2024-05-30	2024-05-31	2024-06-01	2024-06-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	36.0	36.0	35.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	20.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	32	31	32	32	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	18	19	18	19	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	14	11	12	11
पवन दिशा (डिग्री)	101	152	116	78	2
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 1 जून, 2024 को जिले के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा तथा तापमान में हल्की गिरावट होने की सम्भावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.0-36.0ºC और 19.0-21.0ºC के बीच रहेगा। दक्षिण-पूर्व दिशा में हवा की गति 11.0-14.0 किमी प्रति घंटे के बीच होगी। सापेक्षिक आर्द्रता 18-40 प्रतिशत के बीच रहेगी।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सीधे गर्मी के संपर्क से बचने, निर्जलीकरण से बचने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए पौधे के तोलियों में लगभग 10-15 सेमी मोटी सूखी घास फैलाएं। मौजूदा मौसम की स्थिति में नए कीटों के उद्भव के लिए फसल की नियमित निगरानी करें। गरज और बिजली गिरने से सावधानियां बरतें, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खुले मैदानों में जाने से बचें। ऊँचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों में निराई और गुड़ाई करें। साफ़ मौसम के दौरान पौधों की सुरक्षा के उपाय लागू

करें। स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए MEGHDOOT ऐप का उपयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सुबह और देर शाम के समय आवश्यकतानुसार फसलों की सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	किसानों को बेहतर अनाज गुणवत्ता के लिए धान की नर्सरी की बुआई (20 मई-20 जून) करने की सलाह दी जाती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	किसानों को सलाह दी जाती है कि मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए पौधे के तोलियों में लगभग 10-15 सेमी मोटाई में सूखी घास फैलाएं। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सुबह और देर शाम के समय आवश्यकतानुसार पौधों की सिंचाई करें।
आम	सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाएँ। पौधे के तोलियों को खरपतवार से मुक्त रखें। मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए पौधे के बेसिन में लगभग 10-15 सेमी मोटी सूखी घास फैलाएं। मिली बग और मैंगो हॉपर के हमले को रोकने के लिए फलों के पेड़ों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए। कीट आमतौर पर पुष्पक्रम और पत्तियों से रस चूसते हैं। आम के पौधों पर मैली बग की ऊपर की ओर गति को नियंत्रित करने के लिए चिपचिपा ग्रीस बैंड लगाएं।
टमाटर	किसानों को गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाने की सलाह दी जाती है। टमाटर के पौधों की स्टेकिंग करें। (पौधों को धागों से बाँदें) टमाटर की फसल की पत्तियों के मुड़ने की निगरानी करें और टमाटर के खेतों में मिट्टी की नमी बनाए रखें। लीफ कर्ल के लिए अनुकूल मौसम गर्म मौसम है जब अधिकतम तापमान 32ºC से ऊपर होता है। फसलों में तना और फल छेदक कीट से फसल की निगरानी करें।
शिमला मिर्च	किसानों को गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाने की सलाह दी जाती है। फसल की सिंचाई सुबह जल्दी और देर शाम को करें।
लहसुन	कटाई के बाद किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लहसुन को सूखे और छायादार स्थानों पर संग्रहित करें क्योंकि 1 जून, 2024 को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है।
खीरा	लाल कद्दू बीटल के हमले को रोकने के लिए फसलों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए। मौसम साफ होने पर साप्ताहिक अंतराल पर 3-4 बार पौधों को गाय के गोबर की राख से छिड़काव की स्वदेशी जानकारी का उपयोग करके बीटल को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को सीधे गर्मी के संपर्क से बचाएं, उन्हें उचित दूरी के साथ शेड के नीचे रखें और पीने के लिए बार-बार पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं। विशेष रूप से गाय के टांगों और खुर पर पानी का छिड़काव करके उन्हें ठंडा रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसान मौसम साफ और धूप होने पर साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत की दर से अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क और 10.0 प्रतिशत की दर से जीवाअमृत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। खट्टी लस्सी का छिड़काव फसल को कीट-पतंगों के हमले से बचाता है।